आधिवक्ता श्री मनिराम कड़वासरा ने वकालतनामा मय इकबाली जवाब के प्रस्तुत किया जो सामिल पत्रावली है। प्रतिवादी संख्या 3 व 4 को जारी सम्मन बाद तामिल प्राप्त जो परफोर्मा पक्षकार है। प्रतिवादी संख्या 1 से 2 कि ओर से इकबालीया जवाब दाव एवं प्रतिवादी संख्या 3 व 4 परफोर्मा पक्षकार होने से विवाद्यक बिन्दू (तनकीयात्) की आवश्यकता नहीं होने से तय नही किये गये तथा पत्रावली साक्ष्य वादी हेतु नियत की गई।

साक्ष्य वादी में वकील वादी ने साक्ष्य शपथ पत्र श्यामसन्दर का प्रस्तुत किया एवं साथ ही नकल जमाबंदी सम्वत् 2073–76 मौजा खिंयाला के खाता संख्या 359 प्रदर्ष–1, वादी का शपथ पत्र स्वर्गीय मिसाराजी के कायम मुकाम कि सूचि कि छाया प्रति प्रदर्श–2 कराई। वकील वादी ने ओर साक्ष्य पेश नहीं करने का निवेदन पर साक्ष्य वादी बंद की गई। प्रतिवादी संख्या 1 व 2 कि ओर से इकबालीया जवाब दाव पेश होने से साक्ष्य प्रतिवादी की आवश्यकता नहीं होने से पत्रावली वास्ते बहस नियत की गई।

बहस वकुलाय सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद पत्र में किये गये कथनों को दोहराया तथा वाद को डिक्री करने का निवेदन किया। वकील प्रतिवादीगण ने वादपत्र को वाद के पेराज के अनुसार डिक्री किये जाने में सहमति दौराने बहस व्यक्त की। मेरे द्वारा वादी के अभिकथनो तथा साक्ष्य के तौर पर पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वादी के वाद तथा प्रस्तुत दस्तावेजो से वादी के वाद की आंषिकतः ताईद होती है तथा किसी भी पक्षकार द्वारा वाद का विरोध नही किया गया है। तहसीलदारं जायल को परफोर्मा पक्षकार के रूप में वाद पत्र पर संयोजित किया गया है। पक्षकारान द्वारा मौजा खियांला के खसरा नम्बर 1076, 1156, 957 का बंट चाहा गया है जो कि पक्षकारान कि पुश्तैनी भूमि रहती आई है। पुश्तैनी भूमि में सभी काश्तकार अपने अपने बंट का विभाजन अलग करवा सकते है। वाद के पैरा संख्या 2 के बिन्दु क, ख, ग में सभी पक्षकार का अलग–अलग बंट अंकित किया गया है एवं उसी अनुसार पक्षकार द्वारा बंट चाहा गया है एवं किसी भी पक्षकार द्वारा इसका विरोध प्रकट नहीं किया गया है। मौजा खिंयाला के खेत खसरा नम्बर 1076 रकबा 1.5702 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 1156 रकबा 1.4731 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 957 रकबा 1.6268 हैक्टेयर में वादी संख्या 1 व 2 को प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के साथ सहखातेदार कृषक घोषित करते हुए वाद अनुसार वाद को डिक्रि किया जाना न्यायोचित प्रतित होता है। लेकिन पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रतिवादी संख्या 1 व 2 क्रमाश डूंगरचन्द व प्रेमचंद ने उक्त खेताय से अपना सम्पूर्ण हिस्से का त्याग कर रहे हे एवं दावा वास्ते विभाजन व घोषणा अधीन धारा 53, 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत पेश किाय गया है। अतः हमारी राय में यह मामला हक तर्क द्वारा भूमि अन्तरण का है अतः हक तर्क के लिए आवश्यक स्टाम्प ड्यूटि तहसीलदार जायल के पास जमा होने पर अमल दरामद किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः वाद वादी स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

— : आदेश :—

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थतियों के आधार पर वाद वादी का स्वीकार किया जाकर डिक्री निम्न प्रकार डिक्री किया जाता है।

1. वादी संख्या 1 श्यामसुन्दर शर्मा के हक बंट कब्जे काश्त में मौजा खिंयाला का खेत खसरा नम्बर 1156 रकबा 1.4731 हैक्टेयर पूरा रखा जाकर खातेदारी की घोषणा की जाती है।

Scanned with CamScanner

2. वादी संख्या 2 नानूराम के हक बंट कब्जा काश्त में मौजा खिंयाला का खेत खसरा नम्बर 1076 रकबा 1.5702 हैक्टेयर पूरा, तथा खसरा नम्बर 957 रकबा 1.6268 हैक्टेयर पूरा रखा जाकर खातेदारी कि घोषणा कि जाती है।
3. प्रतिवादी संख्या 1 व 2 क्रमाश डूंगरचन्द व प्रेमचंद के आराजी भूमि में से बंट नहीं रखने से तथा उक्त प्रतिवादी गण द्वारा अपन हक त्याग करने से प्रकरण पुश्तैनी भूमि का हक त्याग के द्वारा भूमि अंतरण का होने से नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटि लिये जाने के प्रावधान होने से स्टाम्प ड्युटि जमा होने पर राजस्व रिकोर्ड पर अमल दरामद की कार्यवाही करें।
4. उक्त खसरान के बैक के रहन रहने कि स्थिति में रहन यथावत रहेगा। सूचित रहे।

माफिक आदेश डिक्री पर्चा जारी हो। तहसीलदार जायल को आदेश दिया जाता है कि वे नियमानुसार हक तर्क के लिए आवश्यक स्टाम्प शुल्क प्राप्त कर माफिक डिक्री आदेश अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद की कार्यवाही सुनिश्चित करे। मिसल फैसल सुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

(ओमप्रकाश वर्मा)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
जायल

निर्णय आज दिनांक 28.8.23 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(ओमप्रकाश वर्मा)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
जायल

Scanned with CamScanner